देश-प्रेम व सामाजिक समरसता का बीजारोपण करता है संस्कार केंद्र - सुरेश कुमार गर्ग

विद्यालय द्वारा जिले में चलाए जा रहे संस्कार केंद्रों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्र छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में लगभग 55 बच्चों ने चित्रकला, गीत, लोक-नृत्य व लेखन आदि विधाओं में बड़ी खुशी से भाग लिया और अपनी प्रतिभा को श्रोताओं के सम्मुख प्रस्तुत किया। रोटरी मिडटाउन क्लब जींद के अध्यक्ष सुरेश कुमार गर्ग, रोटेरियन व इनरव्हील क्लब की सचिव सरोज गर्ग व रोटेरियन माया रामदेवली ने बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन सभी बच्चों को गर्म लंच बॉक्स उपहार स्वरूप प्रदान किए। प्रांत संस्कार केंद्र प्रमुख महावीर गर्ग ने बताया कि विद्याभारती हरियाणा के मार्गदर्शन में पूरे हरियाणा प्रांत में 100 संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। इन केंद्रों पर साक्षरता, स्वाध्याय, स्वावलंबन, संस्कृति, देश-प्रेम एवं सामाजिक समरसता के अनौपचारिक कार्यक्रम चलते हैं। ऐसे बालक बालिकाएं जो पारिवारिक विवशता अथवा विद्यालयों की समीप में व्यवस्था न होने के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं, उन्हें विशेष रूप से इन केंद्रों पर एकत्रित कर साक्षर करने का प्रयास किया जाता है।

विद्याभारती हरियाणा के मार्गदर्शन में पूरे हरियाणा प्रांत में 100 संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं।

विद्यालय के प्राचार्य बलबीर सिंह ने बताया कि गोपाल विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय द्वारा जींद जिले के अपराही मोहल्ले, विकास नगर, अजमेर बस्ती व स्वयं इसी विद्यालय में कुल मिलाकर 5 संस्कार केंद्र चलाए जा रहे हैं। इनमें गीत, कहानी, खेल व अभिनय आदि क्रियाकलापों के माध्यम से बच्चों को संस्कारित एवं विकसित किया जाता है। साथ ही विशेष शिक्षण की व्यवस्था कर, उन्हें अपनी कक्षा के स्तर के योग्य बनाया जाता है।

शिक्षक का दायित्व, विद्यार्थियों का चहुँमुखी विकास - सुभाष शर्मा

गोपाल विद्या मंदिर, जींद में प्राथमिक विभाग की कक्षा चतुर्थ के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता की शुरुआत विद्याभारती, हरियाणा के सह प्रांत सेवा शिक्षा प्रमुख श्रीमान सुभाष शर्मा व प्राचार्य बलबीर सिंह के द्वारा ज्ञान-दायिनी मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलन से हुई। तत्पश्चात प्रोजेक्टर के माध्यम से चल रही यह प्रतियोगिता 8 चक्रों में संपन्न हुई, जिसमें प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सुभाष शर्मा जी व प्राचार्य बलबीर सिंह ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। साथ ही सुभाष शर्मा जी ने अपने शब्दों से बच्चों को प्रेरित भी किया। इसके साथ ही विद्यालय की शिक्षिका पूर्णिमा जैन व विभा शर्मा के द्वारा तैयार की गई गतिविधि आधारित क्रिया-शोध पत्रिका का भी विमोचन श्री सुभाष शर्मा व प्राचार्य बलबीर सिंह के कर कमलों से हुआ। विद्यालय को अपडेट रखने के उद्देश्य से विद्याभारती, हरियाणा के प्रांत शैक्षिक प्रमुख श्रीमान रामकुमार जी ने विद्यालय की प्रत्येक कक्षा-कक्ष में चल रहे शिक्षण कार्य का निरीक्षण किया व विद्यार्थियों से प्रश्न भी किए, जिनका विद्यार्थियों ने सही जवाब दिया जिससे श्री रामकुमार जी बड़े प्रसन्न हुए।

गोपाल विद्या मंदिर के छात्र-छात्राओं ने अंतर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव में दी प्रस्तुति

विद्यालय के छात्र-छात्राएं शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में भी अग्रणीय स्थान पर रहते हैं, चाहे वह विज्ञान का क्षेत्र हो, कला का क्षेत्र हो या फिर खेल का क्षेत्र हो। इसी कड़ी में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार विद्यालय के 50 छात्र-छात्राओं ने ऑनलाइन माध्यम से गीता श्लोक उच्चारण में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति दी। इसी के साथ जिला प्रशासन व लोक संपर्क विभाग के माध्यम से विद्यार्थियों ने गोवर्धन पर्वत की झांकी व सरस्वती वंदना में भी अपनी सहभागिता की। प्रात: कालीन वंदना सभा में अनेक छात्र-छात्राओं ने गीता श्लोक उच्चारण की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के वरिष्ठ हिंदी प्रवक्ता रामकेश धीमान ने गीता जयंती पर अपने विचार रखे।

सड़क सुरक्षा पर बच्चों ने उकेरी कलाकृतियां

गोपाल विद्या मंदिर में सड़क सुरक्षा सप्ताह अभियान के तहत चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें कक्षा 5 से 8 तक के बच्चों ने भाग लिया। इसमें लगभग 105 प्रतिभागियों ने सड़क पर चलते समय हमें किन सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए और कैसे सड़क नियमों का पालन करना चाहिए इस पर सुंदर कलाकृतियां बनाकर अपने मनोभावों को चित्रित किया। कार्यक्रम संयोजक सतीश कुमार ने बच्चों को संबोधित करते हुए सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा विषय पर विस्तार से जानकारी दी। सड़क सुरक्षा नियम से अपने जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है। विद्यालय के प्राचार्य बलबीर सिंह ने छात्रों की कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनके कलात्मक दृष्टिकोण की सराहना करते हुए कहा कि चित्रकला ऐसा सशक्त माध्यम है जिसके जरिए कलाकार अपने मनोभावों को रंगो की तूलिका के माध्यम से दर्शा कर अपनी बात बड़े सहज तरीके से कह सकता है। इस सफल आयोजन के लिए उन्होंने सभी प्रतिभागियों व कार्यक्रम संयोजक को विशेष रूप से बधाई दी।

सड़क सुरक्षा नियम से अपने जीवन को सुरक्षित रखा जा सकता है।

सूर्य नमस्कार कार्यक्रम में विद्यालय की बहनें अमृत महोत्सव के 75 वर्ष को दर्शाते हुए।